नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 284
दि. 15.02.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

गुजरात को मिला इलेक्ट्रिक तोहफा, भावनगर को पीएम ने दी 50 ई-बसों की सौगात

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में ₹5,450 करोड़ के प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन के साथ गुजरात के भावनगर को एक बड़ी सौगात दी है। पीएम-ई-बस सेवा योजना (ढट-ीइ४२ रीढ्ं) के तहत भावनगर को 50 इलेक्ट्रिक बसें सौंपी गई हैं। यह कदम न सिर्फ शहर में प्रदूषण कम करेगा बल्कि लोगों के सफर को भी आरामदायक बनाएगा।

भावनगर गुजरात का पहला ऐसा शहर बन गया है जहां इस योजना के तहत बसें चलना शुरू हुई हैं। यह भारत को स्वच्छ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा और जरूरी कदम है।

क्या है पीएम-ई-बस सेवा और इसका मकसद?

यह योजना केंद्र सरकार की एक शानदार पहल है जिसका लक्ष्य शहरों में पुरानी और प्रदूषण फैलाने वाली बसों की जगह 'क्लीन और ग्रीन' इलेक्ट्रिक बसें लाना है। इसके पहले चरण में नागपुर, चंडीगढ़ और गुवाहाटी जैसे शहरों को चुना गया है। गुजरात में इसे लागू करने की जिम्मेदारी 'गुजरात अर्बन डेवलपमेंट मिशन' को दी गई है। मकसद साफ है-शहरों में शोर और धुंआ कम करना और आम आदमी को एक ऐसी बस सेवा देना जो सस्ती भी हो और पर्यावरण के लिए सही भी। भावनगर को क्यों मिली प्राथमिकता?

भावनगर के लिए कुल 100 बसों का प्लान है, जिनमें से 50 बसें अब सड़कों पर उतर चुकी हैं। इससे शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम काफी मजबूत होगा। ये बसें पूरी तरह एयर-कंडीशंड (AC) हैं, जिससे गर्मियों में सफर आसान होगा। साथ ही, सुरक्षा के लिए इनमें CCTV कैमरे लगे हैं और दिव्यांगों के लिए खास डिजाइन तैयार किया गया है ताकि उन्हें चढ़ने-उतरने में दिक्कत न हो। भावनगर इस मामले

में गुजरात के बाकी शहरों के लिए एक मिसाल पेश कर रहा है।

भावनगर तो बस शुरूआत है, आने वाले समय में गुजरात के 8 प्रमुख शहरों में कुल 750 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी है। वडोदरा को सबसे ज्यादा 250 बसें मिलेंगी, जबकि राजकोट, गांधीनगर और जामनगर जैसे शहरों में भी ई-बसों का जाल बिछाया जाएगा। गांधीधाम और नवसारी जैसे छोटे शहरों को भी इस योजना से जोड़ा गया है। गुजरात सरकार इसके लिए जरूरी चार्जिंग स्टेशन और तकनीकी ढांचा तैयार करने में देश के अन्य राज्यों के मुकाबले काफी आगे चल रही है।

असम दौरे पर डिब्रूगढ़ पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, पहली बार नेशनल हाइवे पर हुई पीएम के विमान की लैंडिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी को असम में ₹5,450 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया. उन्होंने डिब्रूगढ़ में पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का अवलोकन किया और ब्रह्मपुत्र पर अत्याधुनिक 'कुमार भास्कर वर्मा सेतु' देश को समर्पित किया.

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम दौरे के तहत डिब्रूगढ़ पहुंच गए हैं. उनके दौरे की शुरूआत बेहद रणनीतिक रही, जब उनका विमान डिब्रूगढ़ के मोरान बाईपास पर नवनिर्मित इमरजेंसी लैंडिंग सुविधा (एछझ) पर उतरा. यह पहली बार है कि पीएम का विमान नेशनल हाइवे पर उतरा.

पूर्वोत्तर भारत में अपनी तरह की यह पहली सुविधा है, जो युद्ध और प्राकृतिक आपदा जैसी स्थितियों में भारतीय वायुसेना के लिए गेम-चेंजर साबित होगी.

प्रधानमंत्री ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन करेंगे. ₹3,030 करोड़ की लागत से बना यह 6-लेन पुल पूर्वोत्तर का पहला 'एक्स्ट्राडोज्ड' पुल है. इस आधुनिक पुल की मदद से गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी के बीच का सफर जो घंटों में तय होता था, अब मात्र 7 मिनट में सिमट जाएगा. इसमें भूकंपरोधी तकनीक और रियल-टाइम हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है.

प्रधानमंत्री आईआईएम गुवाहाटी का उद्घाटन करेंगे, जो क्षेत्र में उच्च शिक्षा के मानक बदलेगा. साथ ही, कामरूप जिले में राष्ट्रीय डेटा केंद्र का शुभारंभ होगा. 8.5 मेगावाट क्षमता वाला यह केंद्र पूर्वोत्तर की सरकारी सेवाओं को डिजिटल रूप से सुरक्षित और सशक्त बनाएगा.

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर भड़के सीएम उमर अब्दुल्ला, जम्मू-कश्मीर के किसानों के लिए जताई चिंता

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के स्कॉस्ट शालीमार में 11वें गोंगुल कृषि मेले का उद्घाटन किया। इस तीन दिवसीय आयोजन में

मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि राज्य सरकार का प्राथमिक लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि पशुपालन, मछली पालन, डेयरी और विशेष रूप से जैविक खेती के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस मेले के माध्यम से लाखों किसानों को आधुनिक तकनीक और जैविक समाधानों से जोड़ा जाएगा।

बुजुर्ग और निराश्रित महिलाओं को अब मिलेंगे 1500 रुपये, सीएम योगी ने पेंशन बढ़ाने का किया ऐलान

यूपी में बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2022 के घोषणापत्र में पेंशन की राशि बढ़ाकर 1500 रुपये महीना करने का वादा किया गया था।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 1.06 करोड़ सामाजिक पेंशनधारकों की पेंशन में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। विधानसभा में शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर आए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सीएम ने कहा कि बजट में इसके लिए धनराशि की व्यवस्था कर दी गई है। इसकी विस्तृत जानकारी बजट चर्चा के दौरान उपलब्ध करवाई जाएगी।

सामाजिक पेंशन के दायरे में दिव्यांग, वृद्धजन एवं निराश्रित महिलाएं आती है। 2017 से पहले दिव्यांग पेंशन 300 रुपये और अन्य 500 रुपये महीना थी। योगी सरकार ने इसे बढ़ाकर 1000 रुपये महीना किया था। 2022 के घोषणापत्र में इसे बढ़ाकर 1500 रुपये महीना करने का वादा किया गया था। सीएम ने अब इस बढ़ोतरी का ऐलान किया है। हालांकि, बढ़ी धनराशि की तस्वीर बजट पर चर्चा के दौरान साफ होगी। प्रदेश में 67.50 लाख लोगों को वृद्धावस्था, 38.50 लाख महिलाओं को निराश्रित और 11 लाख लोगों को दिव्यांग पेंशन मिलती है।

पीएम 21 को सेमीकंडक्टर पार्क का शिलान्यास करेंगे

योगी ने बताया कि डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर पार्क की स्थापना एवं विस्तार की दिशा में यूपी तेजी से आगे बढ़ रहा है। 21 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास करेंगे। वहीं, मेरठ-दिल्ली रेपिड रेल भी पीएम के हाथों उद्घाटन होगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समानंतर बनेगा रेल कॉरिडोर

सीएम ने सपा सरकार के दौरान बनी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की कार्ययोजना को भ्रष्टाचार पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि बिना जमीन अधिग्रहण के ही टेंडर अलाट कर दिया गया था।

गौरव गोगोई पाकिस्तानी एजेंट... पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता ने उठाया सवाल तो भड़क गए शहजाद पूनावाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम के मोरान बाईपास ईएलएफ पर उतरने के बाद कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि हवाई किराए में हो रही बढ़ोतरी के बीच क्या ऐसी परियोजनाओं से असम के नागरिकों को कोई फायदा होता है। लखीमपुर में एक प्रेस वार्ता के दौरान गोगोई ने इस परियोजना की आलोचना की।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान असम के मोरान में स्थित पूर्वोत्तर के पहले आपातकालीन लैंडिंग सुविधा केंद्र (ईएलएफ) पर उतरा, जो एक ऐतिहासिक घटना है। यह राज्य के रणनीतिक और बुनियादी ढांचागत

विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।राष्ट्रीय राजमार्ग के इस विशेष रूप से निर्मित खंड को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों को आपात स्थिति में उड़ान भरने और उतरने में सक्षम बनाने के लिए विकसित किया गया है। वहीं, इस मामले में अब राजनीति भी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पीएम मोदी पर सवाल उठाए तो अब शहजाद पूनावाला ने उनपर जोरदार पलटवार किया।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सवाल उठाते हुए कहा कि हवाई किराए में हो रही बढ़ोतरी के बीच क्या ऐसी परियोजनाओं से असम के नागरिकों को कोई फायदा होता है क्या? आज कल डिब्रूगढ़ से दिल्ली के विमान का टिकट लेने में 15 से 20 हजार तक खर्च करने पड़ रहे हैं। एयरपोर्ट पर सारे सामान महंगे मिल रहे हैं। लेकिन आप मजे में घूम रहे हो। अब गौरव गोगोई के सवाल उठाने के बाद शहजाद पूनावाला ने सवाल उठाए हैं।

बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने गौरव गोगोई पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी असम की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा पर उतरे झ जो रक्षा और आपदा राहत के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है झ वहीं पाकिस्तानी एजेंट गौरव गोगोई ने शिकायत करना शुरू कर दिया! क्या प्राथमिकताएं मायने रखती हैं? कांग्रेस पूर्वोत्तर के रणनीतिक उत्थान का जश्न नहीं मना सकती। दुखद! वह असम से इतनी नफरत क्यों करते हैं?

कारगिल युद्ध के वीर शहीद कप्तान जिंटू गोगोई की माता दुलुप्रभा गोगोई ने कहा कि गौरव गोगोई को पाकिस्तान नहीं जाना चाहिए था। उनकी पत्नी भी पाकिस्तान में काम करती थीं। उनका (पाकिस्तान जाना) ठीक नहीं है। असम हमारा है; उन्हें यहीं रहना चाहिए और काम करना चाहिए, असम के लिए काम करना चाहिए।

उनके पिता (तरुण गोगोई) ने अच्छा काम किया, उन्हें भी अपने पिता की तरह ही काम करना चाहिए। उन्होंने (पाकिस्तान ने) मेरे बेटे को मार डाला। इसलिए गौरव गोगोई को वहां नहीं जाना चाहिए। हम सब एक ही जगह, असम के हैं। मुझे उनका पाकिस्तान जाना बिल्कुल पसंद नहीं आया।

दिल्ली में पहली बार शुरू हुआ स्पोर्ट्स फेस्टिवल, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- दिल्ली को बनाएंगे स्पोर्ट्स हब

(जीएनएस)।

दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी के खेल इतिहास में एक भव्य और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज छत्रसाल स्टेडियम में 'खेलो दिल्ली-दिल्ली खेल महाकुंभ' का भव्य शुभारंभ किया।

यह दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित पहला राज्य स्तरीय मेगा स्पोर्ट्स फेस्टिवल है, जिसे राजधानी की सबसे बड़ी जमीनी स्तर की खेल पहल के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली खेल महाकुंभ के आधिकारिक मैस्कॉट का नाम 'रनवीर' रखा गया है, का भी अनावरण किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित यह मेगा स्पोर्ट्स फेस्टिवल 'खेलो इंडिया मिशन' और "फिट इंडिया मूवमेंट" की तर्ज पर दिल्ली सरकार की दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना और दिल्ली को एक सशक्त स्पोर्ट्स हब के रूप में स्थापित करना है।

यह आयोजन दिल्ली में खेल संस्कृति के पुनर्जागरण का महापर्व है और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने का मार्ग

प्रशस्त करेगा। युवाओं को प्रेरित करने और खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए ओलंपिक पदक विजेता एवं खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित श्री रवि दहिया, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर श्री शिखर धवन और पैरा ओलंपिक पदक विजेता श्री शरद कुमार को "दिल्ली खेल महाकुंभ" का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और अन्य गणमान्य अतिथियों ने ओपन जीप में स्टेडियम का दौरा कर खिलाड़ियों और उपस्थित दर्शकों का अभिवादन किया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण तब आया जब सीडब्ल्यूएसएन खिलाड़ी, स्कूल बैंड, नासिक ढोल और दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं खेल संघों के 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने भव्य मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को पुरुस्कृत भी किया गया। साथ ही सिंगर परमिश वर्मा की शानदार प्रस्तुति ने भी पूरे वातावरण को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद, डिप्टी स्पीकर श्री मोहन सिंह बिष्ट, खेल जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राजधानी के युवाओं की ऊर्जा, सपनों और संभावनाओं का महोत्सव है ।यह आयोजन दिल्ली के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें सही मंच देने की आवश्यकता थी। दिल्ली खेल महाकुंभ उस दिशा में ऐतिहासिक कदम है, जो आने वाले समय में लाखों खिलाड़ियों के भविष्य को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के गठन के बाद दिल्ली को विकास की नई दिशा देने के साथ-साथ लाखों युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग तीन दशकों से लंबित खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि, जिसे पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा जारी नहीं किया गया था, वर्तमान सरकार ने वितरित करते हुए अब तक लगभग ₹33 करोड़ की राशि खिलाड़ियों को प्रदान की हैं।

महाराष्ट्र के मालेगांव में डिप्टी मेयर के दफ्तर में टीपू सुल्तान की फोटो पर बवाल, बीजेपी और शिवसेना सांसद संजय राउत समेत कई और दलों ने बोला हमला

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के मालेगांव में डिप्टी मेयर कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले ने स्थानीय राजनीति को गरमा दिया है। बीजेपी और शिवसेना सांसद संजय राउत समेत कई और दलों ने इसका खुलकर विरोध किया। बढ़ते विरोध और तनाव की स्थिति को देखते हुए आखिरकार प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा और विवादित तस्वीर को कार्यालय से हटा दिया गया।

जानकारी के अनुसार, मालेगांव म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी मेयर ऑफिस में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इसके बाद शिवसेना (उद्धव गुट) और दूसरे संगठनों के कार्यकताओं ने इस पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वालों का कहना था कि सरकारी कार्यालयों में किसी विवादित ऐतिहासिक व्यक्तित्व की तस्वीर लगाना उचित नहीं है। इससे सामाजिक तनाव बढ़ सकता है।

विरोध बढ़ने के साथ मामला राजनीतिक रंग लेने लगा। स्थिति को गंभीर होता देख म्युनिसिपल प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तस्वीर हटाने का निर्देश दिया। अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी संभावित विवाद से बचने के लिए लिया गया। बीजेपी ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि यह भारतीय मूल्यों के खिलाफ है। महाराष्ट्र और देश के सच्चे नायकों का अपमान है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी इसकी आलोचना करते हुए कहा कि यह लोगों की भावनाओं को आहत करने का मामला है।

इस बीच विवाद ने नया मोड़ तब लिया, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में कुछ पार्टी कार्यकर्ता मालेगांव की मेयर नसरीन शेख को टीपू सुल्तान की तस्वीर भेंट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद इस मुद्दे पर बहस और तेज हो गई है। विरोध करने वाले संगठन मेयर को तस्वीर दिए जाने पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ लोग इसे अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश बता रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को लेकर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर तो दर्ज की जाए एफआईआर... सीएम योगी की अधिकारियों को दोटूक

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं. उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है. हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे. इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें.

गोरखपुरः (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं करने के मूड में हैं. उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए. हर मामले का निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए. किसी भी मामले में लापरवाही अक्षम्य होगी.

सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस अफसरों को दिए. गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं. उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है. हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे. इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें.

जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे, जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है. इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए. उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए. जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है. किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई की जाए. उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया.

बच्चों को दुलारा

हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे. इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें. इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी. जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार-दुलारकर सीएम योगी ने उन्हें चॉकलेट दिया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया.

'यूपी में विकास हो रहा, लेकिन घुटन नहीं', सीएम योगी ने दिल्ली की हवा की तुलना 'गैस चैंबर' से की

देश की राजधानी का ज़िक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि दिल्ली की हवा बेहद खराब स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली की स्थिति देखिए, ऐसा लगता है जैसे वह गैस चैंबर बन गई हो। वहां सांस लेना मुश्किल हो जाता है और आंखों में जलन होने लगती है। डॉक्टर अस्थमा के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को घर के अंदर रहने की सलाह देते हैं। यह कैसी जिंदगी है

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली की हवा की गुणवत्ता की तुलना 'गैस चैंबर' से की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग खुद को खुशकिस्मत मान सकते हैं, क्योंकि विकास कार्यों के चलते रहने के बावजूद राज्य में लोगों को अपेक्षाकृत साफ वातावरण मिल रहा है।

गोरखपुर में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण का बिगड़ना आज पूरी दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती बन चुका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। उनके अनुसार, सही प्रगति वही है जिसमें विकास और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन बनाया जाए।

सीएम योगी ने कही ये बात

उन्होंने कहा, 'यहां का वातावरण साफ है और प्रदूषण नहीं के बराबर है। जहां प्रदूषण कम होता है, वहां बीमारियां भी कम फैलती हैं। प्रदूषण का सीधा असर फेफड़ों पर पड़ता है। जब शरीर को सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो इसका बुरा प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है। राज्य सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री जंगल कौड़िया में नवनिर्मित और सुधारे गए ब्लॉक विकास अधिकारी (BDO) कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

दिल्ली पर कही ये बात

देश की राजधानी का ज़िक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि दिल्ली की हवा बेहद खराब स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली की स्थिति देखिए, ऐसा लगता है जैसे वह गैस चैंबर बन गई हो। वहां सांस लेना मुश्किल हो जाता है और आंखों में जलन होने लगती है। डॉक्टर अस्थमा के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को घर के अंदर रहने की सलाह देते हैं। यह कैसी जिंदगी है?ह्व उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर पर्यावरण की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया, तो दूसरे शहरों में भी ऐसे हालात बन सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम सौभाग्यशाली हैं कि उत्तर प्रदेश में विकास कार्य चल रहे हैं, लेकिन यहां दम घुटने जैसा माहौल नहीं है।" Cenftral Pollution Control Board के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली की एयर क्वालिटी 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह 9 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 211 था।

एसटीएफ ने लखनऊ में पकड़ा 8 क्विंटल गांजाःस्कॉर्पियो से एस्कॉर्ट करके ट्रक से ढोते थे; उड़ीसा से छिपाकर लाए, 4 गिरफ्तार

(एजेंसी)।

लखनऊ में STF को दूसरे राज्यों से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के 4 तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्कर लखनऊ से करीब 1200 किमी दूर उड़ीसा से गांजा लाकर राजधानी समेत कई जिलों में इसकी सप्लाई करते थे। गांजा लखनऊ पहुंचने के बाद गाड़ी से एस्कॉर्ट करते हुए पुलिस चेकिंग से बचाते थे। STF इनसे जुड़े अन्य नेटवर्क को खंगाल में जुटा है।

पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि रळक्ष को सूचना मिली उड़ीसा के मलखानगिरी से बड़ी मात्रा में गांजा लादकर एक ट्रक लखनऊ आने वाला है। सूचना पर ट्रक नंबर NL-01-AA-0511 सुल्तानपुर के रास्ते लखनऊ पहुंचने वाला था। ट्रक के आगे बिना नंबर की काले रंग की स्कॉर्पियो चल रही थी थी।

स्कॉर्पियों में बैठे लोग पुलिस चेकिंग की सूचना ट्रक चालक को दे रहे थे। ट्रक से गांजा उतारकर शालीमार बंधा रोड पर बंटवारा होना था। रळक्ष टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक और स्कॉर्पियो की तलाशी ली। जांच में भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। मौके से 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों की पहचान

कमरियाबाग बाराबंकी निवासी मयंक जायसवाल उर्फ सूरज, लखनऊ के बख्शी का तालाब निवासी जीतू श्रीवास्तव उर्फ दद्दा, शक्तिनगर इंदिरानगर निवासी पारितोष त्रिपाठी और नालंदा बिहार निवासी कुलदीप यादव के रूप में हुई।

ट्रेलर की चेसिस में बनाई थी गुप्त कैविटी

पूछताछ में ट्रक चालक कुलदीप यादव ने बताया कि वह जीतू श्रीवास्तव के कहने पर उड़ीसा से गांजा लाता था। गांजा लाने के लिए बिना बॉडी वाले ट्रेलर ट्रक का इस्तेमाल किया जाता था। ट्रेलर की चेसिस के ऊपर बने प्लेटफॉर्म में गुप्त कैविटी तैयार की गई थी। जिसमें 5 से 8 क्विंटल तक गांजा आसानी से छिपाया जाता था।

गांजा लोड होने के बाद ट्रक का नंबर बंद कर दिया जाता था और इंटरनेट कॉल के जरिए संपर्क रखा जाता था। अब तक वह 15 से 20 बार जीतू के लिए उड़ीसा से गांजा ला चुका है।

कई जिलों में फैला था नेटवर्क

मुख्य आरोपी जीतू श्रीवास्तव ने पूछताछ में बताया कि वह मयंक श्रीवास्तव उर्फ सूरज, रमन, पारितोष त्रिपाठी और जसवंत शर्मा उर्फ डोरेमॉन के साथ मिलकर तस्करी का नेटवर्क चलाता था।

गिरोह लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, गोण्डा, बहराइच समेत कई जिलों में मांग के अनुसार गांजा सप्लाई करता था। पैसा मिलने के बाद ट्रक और ड्राइवर की व्यवस्था कर उड़ीसा भेजा जाता था। लखनऊ पहुंचते ही ड्राइवर सूचना देता था।

उसके बाद आरोपी अपनी गाड़ी से ट्रक को तय स्थान तक एस्कॉर्ट करते थे। जांच में सामने आया है कि गांजा तस्करी से मील रुपए से डाला और एक माइक्रा कार खरीदी थी। जिनका उपयोग सप्लाई में किया जाता था। एसटीएफ अन्य आरोपियों और नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में गहन छानबीन कर रही है।

92.50 लाख का माल बरामद

तस्करों के पास से 3.70 क्विंटल गांजा मिला है, जिसकी कीमत लगभग 92.50 लाख रुपए है। ट्रक और स्कार्पियो जब्त की गई है। तस्करों के पास से पांच मोबाइल और 9300 रुपए मिले हैं।

लखनऊ में मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार का गला कटा, नीचे गिरने पर पत्नी और बेटी घायल

लखनऊ में जानलेवा मांझे का कहर जारी है, मुख्यमंत्री के आदेशों के बावजूद घटनाएं नहीं रुक रहीं।

लखनऊ, (एजेंसी)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के आदेशों के बावजूद शहर में जानलेवा मांझे पर लगाम नहीं लग पा रही है। नतीजतन, आए दिन लोग इसकी चपेट में आने से घायल हो रहे हैं।

शनिवार को एक बार फिर मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार की गर्दन कट गई। बाइक पर पीछे बैठी उनकी पत्नी और चार महीने की बच्ची सड़क पर गिरने से घायल हो गई। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आई। पीड़ित ने मांझे की बिक्री और इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है।

हुसैनगंज निवासी मुशर्रफ मजदूरी करते हैं। मुशर्रफ ने बताया कि शनिवार की दोपहर वह बाइक से पत्नी नेहा और चार महीने की बेटी परवाह को लेकर ऐशबाग पुल पर जा रहे थे। पुल के ऊपर अचानक उनके गले में धारदार मांझा आकर फंस गया। वह कुछ समझ पाते इसके पहले ही मांझे ने गर्दन रेत दी।

वह जब तक बाइक रोकते तब तक मांझे ने गले पर निशान बना दिया। इस बीच उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। नेहा और गोद में बैठी उनकी बेटी सड़क पर गिर गए। दोनों को मामूली चोटें आई हैं। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें उठाया।

इसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। तीनों की हालत खतरे से बाहर है। मुशर्रफ ने कहा कि अल्लाह का शुक्र है कि घटना में हम लोगों की जान बच गई। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से मांझे पर रोक लगाने की मांग की है।

इन इलाकों में हो रही सबसे ज्यादा घटनाएं

मांझे से कटने की सबसे ज्यादा घटनाएं बाजारखाला ओवरब्रिज, ऐशबाग ओवर ब्रिज, नया और पुराना पक्का पुल, ग्रीन कारीडोर, सहारा सिटी ओवर ब्रिज, शहीद पथ, बालागंज के आसपास हरदोई रोड का इलाका।

पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

23 मई 2023: ठाकुरगंज के पीर बुखारा इलाके में चाइनीज मांझे से युवक हुआ चोटिल।

27 मार्च 2024: हजरतगंज कोतवाली के एसएसआइ का अंगूठा ईदगाह रोड पर मांझे से कट गया।

23 फरवरी 2025: बीबीडी इलाके में मांझे से बाइक सवार अमन घायल।

3 सितंबर 2025: हैदरगंज में व्यवसायी आसिम मार्शल दो बेटियों को लेकर स्कूल से घर जा रहे थे। मांझे की चपेट में आकर घायल हुए।

तीन फरवरी 2026: दुबग्गा निवासी 33 वर्षीय मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव मोहम्मद शोएब के गले में हैदरगंज ओवरब्रिज पर मांझा फंसा, गला कटने से मौत

चार फरवरी 2026: गोमती नगर विस्तार में मलेसेमऊ गांव के पास शहीद पथ पर पूर्व एयरफोर्स कर्मी बृजेश राय मांझे की चपेट में आए। होठ दाढ़ी का निचला हिस्सा कटा।

13 फरवरी 2026: इंदिरा नगर निवासी ध्रुव नारायण पांडेय कैंट इलाके में मांझे से घायल हुए

लखनऊ, नोएडा और गाजियाबाद में बनेंगे वर्किंग विमेन हॉस्टल, 4000 महिलाओं को मिलेगा सुरक्षित आवास

योगी सरकार शहरी क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित और किफायती आवास हेतु आठ श्रमजीवी महिला छात्रावासों का निर्माण कर रही है।

(एजेंसी)।

लखनऊ। शहरी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश में आने वाली कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार ने आठ श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी है। कुल स्वीकृत धनराशि का 66 प्रतिशत प्रथम किस्त के रूप में जारी किया जा चुका है। इससे निर्माण कार्य को गति मिली है। भारत सरकार की एसएएससीआई योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में यह परियोजना संचालित की जा रही है, जिसके लिए कुल 382 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

सीएंडडीएस को दी गई जिम्मेदारी

प्रदेश सरकार ने अप्रैल 2025 में सीएंडडीएस को इस परियोजना का कार्यदायी संस्थान नामित किया है। विभागीय स्तर पर भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया पूरी कर संबंधित विभाग को हस्तांतरित कर दी गई है। लखनऊ में तीन, गौतमबुद्धनगर में चार और गाजियाबाद में एक समेत कुल आठ छात्रावासों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। प्रत्येक छात्रावास की क्षमता 500 महिलाओं की होगी। इस प्रकार कुल 4,000 कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

सुरक्षा और स्वच्छता पर जोर

इन छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, भोजनालय, सामान्य बैठक कक्ष तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की

व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उद्देश्य यह है कि रोजगार के लिए शहरों में आने वाली महिलाओं को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम

गाजियाबाद के सूर्यनगर क्षेत्र में प्रस्तावित छात्रावास के लिए आवश्यक अनुमति के लिए प्रक्रिया जारी है। संबंधित प्राधिकरणों से स्वीकृति प्राप्त होते ही वहां भी निर्माण कार्य पूर्ण गति से शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं विभिन्न उद्योगों, सेवा क्षेत्रों, निजी संस्थानों और असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। आवास की कमी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां उनके सामने बड़ी समस्या बनती हैं। इस परियोजना के माध्यम से सरकार न केवल सुरक्षित आश्रय उपलब्ध करा रही है, बल्कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम भी उठा रही है।

महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

यह योजना केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। योगी सरकार का फोकस स्पष्ट है कि आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़े और उन्हें कार्यस्थल के साथ-साथ आवासीय सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से समयसीमा के अंदर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जा रही है ताकि गुणवत्ता और तय समयसीमा का पालन सुनिश्चित हो सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से प्रदेश के शहरी श्रमबल को मजबूती मिलेगी और कामकाजी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। सुरक्षित और किफायती छात्रावास व्यवस्था महिलाओं को रोजगार के अवसरों से जुड़ने में सहायक सिद्ध होगी।

संकल्प यात्रा से सत्ता को चुनौतीः ग्वालियर हाईकोर्ट में अंबेडकर प्रतिमा के लिए मैदान में उतरी एएसपी-भीम आर्मी

(एजेंसी)।

ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना का प्रश्न अब केवल एक स्मारक का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, अधिकार और सत्ता संरचना के टकराव का प्रतीक बनता जा रहा है। आजाद समाज पार्टी (ASP) और भीम आर्मी ने साफ कर दिया है कि यह लड़ाई अब आर-पार की होगी।

इसी संघर्ष को निर्णायक मोड़ देने के लिए "संकल्प यात्रा" के दूसरे चरण की औपचारिक शुरूआत कर दी गई है। यात्रा के संयोजक, आजाद समाज पार्टी-भीम आर्मी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं उद्धरर के संस्थापक दामोदर यादव मंडल ने भोपाल में आयोजित पत्रकारवार्ता में ऐलान किया कि 15 मार्च को ग्वालियर में एक लाख कार्यकताओं के साथ पहुंचकर ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

"मूर्ति नहीं, अधिकारों का प्रतीक है अंबेडकर प्रतिमा"

दामोदर यादव मंडल ने दो टूक कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमा उनके लिए केवल पत्थर या धातु की आकृति नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत में दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों का जीवंत प्रमाण होगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिमा स्थापना के विरोध के पीछे सरकार और उसके संरक्षण में पल रहे मनुवादी सोच के लोग हैं, जिन्होंने इस मुद्दे को जानबूझकर वर्ग संघर्ष की स्थिति में धकेला है।

यादव ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक समरसता और समानता की नींव रखी थी। ऐसे में हाईकोर्ट परिसर जैसे संवैधानिक संस्थान में उनकी प्रतिमा का विरोध करना, संविधान की आत्मा का विरोध है।

प्रदेशभर में सभाएं, नुक्कड़ बैठकों से बनेगा जनदबाव

संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रदेशभर में 50 बड़ी सभाएं और 100 से अधिक नुक्कड़ सभाएं आयोजित की जाएंगी। इन सभाओं का मकसद सिर्फ प्रतिमा स्थापना नहीं, बल्कि बहुजन समाज को राजनीतिक और सामाजिक रूप से एकजुट करना है। ASP ने साफ किया है कि यह यात्रा उन क्षेत्रों से भी गुजरेगी, जिन्हें राजनीतिक और वैचारिक रूप से प्रभावशाली माना जाता है।

दिग्विजय सिंह और धीरेंद्र शास्त्री के गढ़ में भी रैलियां

यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के गढ़ और कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के प्रभाव क्षेत्र में भी विशाल रैलियां की जाएंगी। दामोदर यादव मंडल ने कहा कि दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन द्वारा संशोधित UGC एक्ट के विरोध को लेकर भ्रम फैलाया गया है। अरढ वहां जाकर बताएगी कि UGC का विरोध किसी एक कानून का नहीं, बल्कि पूरे OBC वर्ग के अधिकारों का विरोध है।

वहीं धीरेंद्र शास्त्री के क्षेत्र में रैली को लेकर पार्टी का कहना है कि यह आडंबर, पाखंड और सामाजिक गैर-बराबरी के खिलाफ वैचारिक संघर्ष का हिस्सा होगा।

UGC के मुद्दे पर फिर सड़कों पर उतरने का ऐलान

अरढ और भीम आर्मी ने स्पष्ट किया है कि वक्रछ एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए गए स्टे के विरोध में आंदोलन और तेज होगा। प्रदेश प्रभारी विनोद अंबेडकर और युवा प्रदेश अध्यक्ष अनिल गुर्जर ने आरोप लगाया कि पहले आंदोलन को पुलिस ने वाटर कैनन और लाठीचार्ज के जरिए दबाने की कोशिश की, लेकिन इससे आंदोलन और मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर CM हाउस के घेराव सहित बड़े आंदोलन की तैयारी की जा रही है और हर हाल में UGC लागू करवाया जाएगा।

यात्रा को मिली राजनीतिक और वैचारिक धार, संकल्प यात्रा के दूसरे चरण की शुरूआत पूर्व विधायक आरडी प्रजापति और भीम आर्मी के वरिष्ठ नेता अमर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर की। इस मौके पर आरडी प्रजापति ने कहा कि उन्होंने आडंबर और पाखंड के खिलाफ जो संघर्ष शुरू किया था, उसे अब दामोदर मंडल पूरी ताकत से आगे बढ़ा रहे हैं। इसी कारण यात्रा के दौरान उन इलाकों में भी रैली की जाएगी, जहां से सामाजिक पाखंड को बढ़ावा मिलता रहा है।

राजनीतिक संकेत और आने वाले दिन, ASP-भीम आर्मी की यह संकल्प यात्रा केवल एक मांग या आंदोलन नहीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में बहुजन एजेंडे को केंद्र में लाने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है। ग्वालियर हाईकोर्ट में अंबेडकर प्रतिमा, UGC एक्ट और CM हाउस घेराव-तीनों मुद्दे मिलकर सरकार के लिए आने वाले दिनों में बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

नॉर्थ और साउथ ब्लॉक बनेंगे म्यूजिम, जानें क्या है इसका सौ साल पुराना इतिहास

(एजेंसी)।

भारतीय राजनीति और केंद्रिय प्रशासन का लीं१३ ईीं३ कहे जाने वाले नॉर्थ और साउथ ब्लॉक अब एक नए अवतार में दुनिया के सामने होंगे। केंद्र सरकार ने इन ऐतिहासिक इमारतों को 'युगे युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय' में बदलने का निर्णय लिया है।

यह न केवल भारत के गौरवशाली अतीत को सहेजेगा, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय भी बनेगा। रायसीना हिल पर स्थित नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतें सिर्फ पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण की गवाह हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में नए ढटड परिसर 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन किए जाने के बाद अब इन इमारतों को 'पब्लिक स्पेस' यानी संग्रहालय में बदलने की तैयारी पूरी हो चुकी है।

क्या था नॉर्थ और साउथ ब्लॉक?

नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक, राष्ट्रपति भवन के ठीक सामने रायसीना हिल पर स्थित दो विशाल और भव्य इमारतें हैं। आजादी के बाद से ये इमारतें भारत की शासन व्यवस्था का केंद्र रही हैं। दशकों तक ये दोनों इमारतें भारत सरकार के सबसे शक्तिशाली कार्यालयों में से एक रही हैं।

साउथ ब्लॉक में प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय स्थित रहे। वहीं नॉर्थ ब्लॉक जहां गृह मंत्रालय और वित्त मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग संचालित होते थे। ये इमारतें 'सेंट्रल सेक्रेटेरिएट' (केंद्रीय सचिवालय) का हिस्सा हैं और राष्ट्रपति भवन के दोनों ओर स्थित हैं।

कब और किसने बनाया था

इन इमारतों का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में हुआ था। इन जुड़वां इमारतों का डिजाइन ब्रिटिश वास्तुकार सर हर्बर्ट बेकरने तैयार किया था। जहां एडविन लुटियंस ने राष्ट्रपति भवन और इंडिया गेट पर ध्यान केंद्रित किया, वहीं बेकर ने इन सचिवालय भवनों और पुराने संसद भवन का निर्माण किया।

जहां वायसरॉय हाउस (अब राष्ट्रपति भवन), किंग्सवे (अब राजपथ/कर्तव्य पथ) और इंडिया गेट का डिजाइन एडविन लुटियन ने किया, वहीं नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और गोलाकार संसद भवन का डिजाइन तैयार किया।

इनका निर्माण 1911 से 1930 के बीच हुआ और 1931 में दिल्ली को आधिकारिक राजधानी के रूप में उद्घाटन के समय ये पूरी तरह तैयार थीं।

वास्तुकला शैली के हिसाब से भी ये ब्लॉक बेहद महत्तवपूर्ण रही हैं। इन इमारतों में मुगल, राजपूताना और यूरोपीय शैली का मिश्रण हैं। इनमें लाल और गुलाबी बलुआ पत्थरों का उपयोग किया गया है, जो राजस्थान से लाए गए थे।

सरकार की योजना के मुताबिक, इन दोनों इमारतों में भारत के 5,000 साल के इतिहास को दो मुख्य कालखंडों में विभाजित किया जाएगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

एपस्टीन फाइल्स पर विश्वव्यापी हंगामें की बीच हरदीप पुरी ने जेफ्री से मुलाकात के बारे में दिये जवाब

सारी दुनिया में इस समय इस एपस्टीन फाइल्स की चर्चा हो रही है। अमेरिका में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और मानव तस्करी के आरोपी अरबपति जेफ्री एपस्टीन से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक होते ही दुनिया की सत्ता और रसूख के गलियारों में हलचल मच गई है। जैफ्री एपस्टीन की पूरी कहानी किसी और दिन बताऊंगा, आज तो एपस्टीन फाइल्स और भारत के एक मंत्री का नाम सामने आने के बारे में बताऊंगा। एक लंबे गतिरोध के बाद बुधवार को लोकसभा में बजट पर बोलते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका और भारत की ट्रेड डील पर मोदी सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कई आर्थिक मुद्दों पर सवाल उठाएं। अपने भाषण में नेता प्रतिपक्ष ने जेफ्री एपस्टीन फाइल्स, अनिल अंबानी और अडानी से जुड़े मामलों पर भी बोले। उन्होंने अनिल अंबानी और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी पर भी आरोप लगाए। राहुल गांधी की ओर से इन मुद्दों को उठाने के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तनाव बढ़ गया। चूंकि लोकसभा की चर्चा में हरदीप पुरी का नाम आ गया था। इसलिए मंत्री हरदीप पुरी ने बाद में बाकायदा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और अपना पक्ष रखा। हरदीप पुरी ने कहा कि एपस्टीन से उनकी मुलाकात केवल तीन-चार मौकों पर वह भी एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर हुई थी और उनके साथ सिर्फ एक ई-मेल का आदान-प्रदान हुआ था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के आरोपों को निराधार बताया और स्पीकर से अनुरोध किया कि राहुल गांधी के भाषण की गलत बातों को कार्यवाही से हटा दिया जाए। उधर राहुल गांधी ने एपस्टीन फाइल्स का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कि अनिल अंबानी का परिचय अमेरिकी निवेशक और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से कराया था। उन्होंने कहा एक बिजनेसमैन हैं अनिल अंबानी, मैं पूछना चाहता हूं कि वो जेल में क्यों नहीं हैं? मैं हरदीप पुरी से भी पूछना चाहता हूं, जिन्होंने उन्हें एपस्टीन से परिचय करवाया था। हरदीप पुरी ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कई बातें कहीं। उन्होंने कहा एपस्टीन से जुड़ी 30 लाख फाइलें रिलीज हुई है और मैं न्यूयार्क में आठ साल रहा। मैं संयुक्त राष्ट्र में भारत का राजदूत बनकर 2009 में पहुंचा था और 2017 में मैं मंत्री बना और आठ सालों में संभवतः तीन या चार मीटिंग का संदर्भ है। अमेरिका में भारतीय राजदूत के पद से रिटायर होने के कुछ महीने बाद मुझे इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट (आईपीआई) में आयोजित किया गया था। मैं आईसीएम के अध्यक्ष जो आस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री थे के साथ एक डेलीगेशन में एपस्टीन से मिला था। हरदीप पुरा का कहना था कि एपस्टीन से जुड़े अन्य मामलों से उनका कोई लेना-देना नहीं है। हरदीप पुरी की प्रोस कांग्रेस के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट डालते हुए पुरी से कुछ 6 सवाल पूछे। पवन खेड़ा ने लिखा : हरदीप पुरी ने कहा कि उनके सदस्यों ने उन्हें रीड हाफमैन से मिलवाया था। लेकिन जो उन्होंने नहीं कहा, वह ज्यादा मायने रखता है। 4 अक्टूबर 2014 को एपस्टीन ने हरदीप पुरी को ई-मेल किया क्या रीड से मुलाकात हुई? पुरी ने जवाब दियाः क्या मैं आज दोपहर एक मीटिंग के लिए सैन फ्रांसिस्को में हूं। मेरे दोस्त, तुम तो चीजें करवा देते हो। कोई सलाह? इसके बाद खेड़ा ने एक्स पर की गई पोस्ट में 6 सवाल पूछे, ये सवाल थे - पहला : एपस्टीन की रीड के साथ उनकी मुलाकात के बारे में पहले ही वैसे पता चल गया? दूसरा : क्या एपस्टीन ही वह वेंटैक्ट था जिसने रीड हॉफमैन के साथ मुलाकात करवाई थी? तीसरा : हरदीप उनसे मुलाकात की जानकारी क्यों डिस्कस कर रहे थे? चौथा : एपस्टीन को दोस्त कह के क्यों संबोधित किया था? पांचवां : एपस्टीन हरदीप के लिए क्या करवा रहा था? छठा : अगर उनका संबंध महज एक संयोगवश या सतही था तो हरदीप पुरी एपस्टीन से सलाह क्यों मांग रहे थे? एपस्टीन फाइल्स में लाखों दस्तावेज, वीडियो, ईमेल हैं। अभी बहुत से खुलासे बाकी हैं। इन फाइल्स के खुलासों के कारण अब तक 10 देशों में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे राजनेता, उद्योगपति, नौकरशाह, राजघराने से जुड़े महत्वपूर्ण लोगों के इस्तीफे हो चुके हैं और 80 की जांच जारी है। अभी तो मामला शुरू हुआ है, आगे-आगे देखिए होता है क्या?

पीएम मोदी ने मीटिंग में ऐसा क्या कहा, अफसर रह गए सन्न! 17000 करोड़ की सब्सिडी और 29 लाख घरों में पहुंचा उजाला

(एजेंसी)।

'पीएम सूर्य घर' योजना पोर्टल के अनुसार, पिछले दो साल में 60.87 लाख से अधिक आवेदन आए। अब तक 23.60 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर स्टॉल जा चुके हैं, जिनके जरिए 29,37,640 परिवारों को फायदा पहुंचा है. सरकार ने इस योजना पर अब तक 16,920.15 करोड़ रुपए की सब्सिडी भी रिलीज की है.

(एजेंसी)।

नई दिल्ली. आज से ठीक दो साल पहले, फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सपना देखा था इ हर घर की छत पर सूरज की शक्ति हो और बिजली का बिल जीरो हो. आज, फरवरी 2026 में 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' ने 29 लाख से ज्यादा परिवारों की जिंदगी रोशन कर दी है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह योजना इतनी सफल क्यों हुई? इसका राज 'मोदी स्टोरी' ने खोला है. पीएम मोदी का सिर्फ एक सुझाव, 'इसे गति शक्ति (ञ्ज़ ँ३) से क्यों नहीं जोड़ते?ह इस पूरी योजना के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. जहां अफसर सिर्फ सोलर पैनल लगाने के बारे में सोच रहे थे, वहां प्रधानमंत्री एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने की सोच रहे थे.

जब प्रेजेंटेशन के बीच पीएम ने पूछा एक सवाल

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के पूर्व सचिव भूपिंदर सिंह भल्ला ने एक दिलचस्प किस्सा साझा किया. अधिकारी पीएम मोदी को यह दिखाने की तैयारी कर रहे थे कि कैसे तकनीक का इस्तेमाल करके छतों पर सोलर सिस्टम का आकलन किया जा सकता है. वे खुश थे कि उनका प्लान

तैयार है. तभी पीएम मोदी ने टोका और पूछा, 'इसको गति शक्ति के साथ इंटीग्रेट नहीं कर सकते?ह

भल्ला ने माना कि उन्होंने इस पहलू के बारे में सोचा ही नहीं था. अधिकारी सिर्फ 'रूफटॉप सोलर' के नजरिए से देख रहे थे, जबकि पीएम मोदी इसे एक 'नेशनल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म' और बड़े डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर के तौर पर देख रहे थे. इसी एक सुझाव ने योजना की रफ्तार और स्केल दोनों बदल दिए.

सिर्फ सब्सिडी नहीं, यह ऊर्जा आजादी का आंदोलन है

'मोदी स्टोरी' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि इस योजना का मकसद सिर्फ सरकारी सब्सिडी बांटना नहीं था. यह टेक्नोलॉजी से चलने वाला एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत को 'एनर्जी इंडिपेंडेंस' (ऊर्जा आत्मनिर्भरता) की ओर ले जा रहा है. गति शक्ति से जुड़ने के कारण रूफटॉप सोलर प्लानिंग एक बड़े राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन गई, जिससे करोड़ों लोगों तक पहुंचना आसान हो गया.

2 साल में क्या बदला? आंकड़े बोलते हैं

पीएम सूर्य घर योजना के पोर्टल के आंकड़े बताते हैं कि यह योजना कितनी बड़ी हिट रही है:

कुल आवेदनः 60.87 लाख से अधिक.

इंस्टॉलेशनः 23.60 लाख से ज्यादा घरों में सोलर सिस्टम लग चुके हैं.

फायदाः 29,37,640 परिवारों को इसका सीधा लाभ मिला है.

सब्सिडी की बारिशः सरकार ने अब तक 16,920.15 करोड़ रुपये की सब्सिडी लोगों के खातों में भेजी है.

यह सफलता बताती है कि जब विजन बड़ा होता है, तो नतीजे भी ऐतिहासिक होते हैं. पीएम मोदी की दूरदर्शी सोच ने न सिर्फ लोगों का बिजली बिल जीरो किया, बल्कि भारत को ग्रीन एनर्जी के नक्शे पर सबसे ऊपर ला खड़ा किया.

'थलापति' विजय बनेंगे किंगमेकर? पीके या ओवैसी मॉडल बन कर किसका खेल बिगाड़ेगी टीवीके

(एजेंसी)।

तमिलनाडु में 2026 विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य में दशकों से जारी 'द्रविड़ वर्चस्व' को इस बार एक फिल्मी सुपरस्टार से कड़ी चुनौती मिल रही है।

थलापति विजय की एंट्री ने राज्य के राजनैतिक पंडितों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या 2026 का चुनाव किसी बड़े 'बदलाव' का गवाह बनेगा। विजय और उनकी नई पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम ने चुनावी समीकरण में एक नया 'एक्स-फैक्टर' जोड़ दिया है।

सवाल यही है क्या विजय महज वोट काटने वाले तीसरे विकल्प बनेंगे या फिर एमजीआर की तरह सत्ता की राजनीति में बड़ा उलटफेर करेंगे? विस्तार से समझिए किंग या किंगमेकर कि भूमिका में विजय की पार्टी किसको पहुंचाएगी नुकसान...

तमिलनाडु चुनाव में 'विजय फैक्टर' क्यों चर्चा में?

बीजेपी के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने हाल ही में इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में साफ कहा कि विजय एक फैक्टर हैं और हम उन्हें नजरअंदाज नहीं कर रहे। अन्नामलाई के मुताबिक, जेन-जी और युवा वोटर्स विजय की ओर आकर्षित हो सकते हैं, खासकर ऐसे समय में जब डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक लड़ाई से एक वर्ग ऊब चुका है।

विजय को कई लोग 'तीसरे

विकल्प' के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, अन्नामलाई ने यह भी जोड़ा कि विजय के पास फिलहाल लंबा राजनीतिक अनुभव और मजबूत गठबंधन नहीं है, जिसका एनडीए को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है।

रैलियों में भीड़ तो है, लेकिन क्या सीटों में बदलेगा जनाधार?

विजय की रैलियों में उमड़ती भारी भीड़ यह संकेत देती है कि जमीनी स्तर पर हल्की एंटी-इंकंबेंसी जरूर मौजूद है। मजबूत पार्टी ढांचा न होने के बावजूद विजय को वोट मिल सकते हैं, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या ये वोट सीटों में तब्दील होंगे?

राजनीतिक विश्लेषक इसकी तुलना बिहार में प्रशांत किशोर से कर रहे हैं। पीके की रैलियों में भी जबरदस्त भीड़ दिखी थी, लेकिन चुनावी नतीजों में वह असर नहीं दिखा। सवाल यह है कि क्या विजय, प्रशांत किशोर की तरह केवल वोट काटेंगे? या फिर अक्टब्स प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरह एक निर्णायक फैक्टर बनेंगे?

क्या है तीसरी पार्टी का गणित, किसे होगा नुकसान?

राजनीति का बुनियादी नियम है सीट जीतने के लिए संगठन और जमीनी नेटवर्क जरूरी होता है, जो सालों में तैयार होता है। फिलहाल विजय ने न ञ्डरु से गठबंधन किया है और न ही अक्ष्ड्डरु के साथ जाने के संकेत दिए हैं। विजय लगातार अपनी रैलियों में दोनों द्रविड़ दलों को वे खुलकर आलोचना कर रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ध्रश्व्ड का सीधा नुकसान डीएमके को हो सकता है, खासकर शहरी इलाकों, युवाओं और महिलाओं के वोट बैंक में।

बीजेपी की रणनीति भी यहीं जुड़ती है। बीजेपी जानती है कि तमिलनाडु में सत्ता पाना फिलहाल मुश्किल है, इसलिए वह "पावर नहीं, पैठ" की राजनीति खेल रही है। यदि ध्रश्व्ड और अन्य गैर-द्रविड़ ताकतें डीएमके का वोट काटती हैं, तो इसका अप्रत्यक्ष लाभ बीजेपी और उसके गठबंधन दलों को मिल सकता है।

बीजेपी का तमिलनाडु में हिंदी भाषा, राष्ट्रीय मुद्दों और तमिल अस्मिता को जोड़ने का प्रयास जारी है। ऐसे में विजय का उभार बीजेपी के लिए रणनीतिक रूप से मददगार माना जा रहा है, भले ही दोनों का कोई औपचारिक गठबंधन न हो।

रजनीकांत और कमल से अलग क्यों?

तमिलनाडु की राजनीतिक इतिहास में देखा जाए तो साउथ सिनेमा के सुपरस्टार का एक बड़ा जनाधार रहा है। जब भी कोई फिल्म अभिनेता चुनावी मैदान में उतरता है तो इसकी सीधी तुलना 'पुरैची थलाइवर' एमजी रामचंद्रन से होती है। हालांकि, उनके बाद रजनीकांत, कमल हासन जैसे बड़े सुपरस्टार भी राजनीति में जरूर उतरे लेकिन उनका सियासी सिक्का कुछ खास नहीं चला। रजनीकांत राजनीति से पीछे हट गए और कमल हासन अपेक्षित असर नहीं छोड़ पाए ऐसे में अब नजरें विजय पर टिकी हैं।

देखिए रजनीकांत और कमल हासन ने अपने करियर के ढलते दौर में राजनीति चुनी, जबकि विजय 51 साल की उम्र में अपने करियर के चरम पर राजनीति में आए हैं। विजय के पास सिर्फ फैन्स नहीं, बल्कि करीब 70,000 बूथ एजेंट्स बताए जाते हैं। 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में उनके समर्थकों ने निर्दलीय उम्मीदवारों के तौर पर 169 में से 115 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था।

विजय युवाओं और महिलाओं, सामाजिक कल्याण, मुफ्त शिक्षा जैसे मुद्दे पर फोकस कर रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे 1982 में मिड-डे मील योजना और 1984 में एमजी रामचंद्रन को अस्पताल के बिस्तर से चुनाव जीताने में सफल रही। हालांकि, फर्क यह है कि आज की तमिलनाडु राजनीति काफी बहुकोणीय और जटिल हो चुकी है।

क्या चुनाव में बजेगी विजय की 'सीटी'?

अब देखना यह है कि थलापति विजय बिहार में प्रशांत किशोर की तरह वोट काटकर सीमित रह जाते हैं, या ओवैसी की तरह निर्णायक फैक्टर बनते हैं, या फिर MGR की राह पर चलते हुए इतिहास रच देते हैं। तमिलनाडु में 'विजय फैक्टर' का असली लिटमस टेस्ट 2026 के नतीजे होंगे।

क्या वे एमग्रआर (MGR) की तरह सत्ता पर काबिज होंगे या रजनीकांत की तरह मैदान छोड़ने को मजबूर होंगे? फिलहाल, उनकी रैलियों की भीड़ ने द्रविड़ किलों की दीवारों पर दस्तक दे दी है।

सीएम योगी को ऐसे हंसते हुए नहीं देखा होगा कभी, सपा की ऐसी ली मौज, पूरा सदन हो गया लोटपोट

शुक्रवार को विधानसभा में सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी की सरकार में रहे शिक्षा मंत्री का एक भाषण का किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता सेना बिस्मिल का जिक्र किया था. सीएम योगी ने कहा, 'इनके शिक्षा मंत्री, इनकी सरकार में. अंधेर नगरी चौपट राजा. यही तो कहते हैं.'

(एजेंसी)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा में फिलहाज बजट सत्र चल रहा है. बीते शुक्रवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की गई. इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने योगी सरकार को अलग-अलग मुद्दे पर घेरने की कोशिश की. हालांकि जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना संबोधन शुरू किया तो समाजवादी पार्टी पर

जमकर निशाना साधा और कुछ पुराने किस्से भी सुनाए, जिसको लेकर विधानसभा में जमकर ठहाके लगे.

सीएम योगी भी किस्सा सुनाते हुए खिलखिलाकर हंस पड़े.

शुक्रवार को विधानसभा में सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी की सरकार में रहे शिक्षा मंत्री का एक भाषण का किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता सेना बिस्मिल का जिक्र किया था. सीएम योगी ने कहा, 'इनके शिक्षा मंत्री, इनकी सरकार में, अंधेर नगरी चौपट राजा. यही तो कहते हैं. इसी को कहते हैं. वो कहते हैं कि बिस्मिल्ला खां को तो अभी कोई पुरस्कार तो मिला था और उनको फांसी क्यों हो गई है. तो नीचे से एक सज्जन ने कहा, कहा कि साहब ये बिस्मिल्ला खां नहीं ये पंडित राम प्रसाद बिस्मिल हैं. कहा कि तू जरूर भाजपाई होगा. कहा कि भाग हमारे कार्यक्रम से.'

बता दें कि शुक्रवार को सीएम योगी करीब 2 घंटे 41 मिनट तक बोले थे. इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकाल में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र किया.

कौन हैं बुर्के वाली शिवभक्त तमन्ना? हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हरिद्वार से गंगा जल भरकर कांवड़ लेकर निकली

(एजेंसी)।

महाशिवरात्रि की तैयारियों के बीच उत्तर प्रदेश में आस्था और भाईचारे की एक अलग ही मिसाल देखने को मिली है। बुर्के में एक मुस्लिम महिला हरिद्वार से गंगाजल लेकर पैदल कांवड़ यात्रा पर अपने संभल स्थित गांव के लिए निकली है। बम-बम भोले के जयकारे लगाते हुए ये मुस्लिम महिला शिवरात्रि के अवसर पर अपने गांव पहुंचेगी और हरिद्वार से लाए गंगजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करेगी।

दरअसल, इस महिला का नाम तमन्ना मलिक है और ये हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने पैतृक गांव बदनपुर बस्सी (संभल) कांवड़ लेकर लौट रही हैं। ये मुस्लिम महिला 100 से अधिक शिवभक्तों के जत्थे के साथ 'बोल भोले, हर-हर महादेव' के जयकारे लगाती हुई आगे बढ़ रही हैं, और बीच-बीच में 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप भी करती हैं।

बुर्के वाली शिवभक्त तमन्ना पर शिवभक्त मुस्लिम महिला हरिद्वार से लोगों ने बरसाए फूल

रास्ते में बुर्के में कांवड़ लाती तमन्ना को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुर्के वाली पावन गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा करते हुए बिजनौर जब पहुंची है तो रास्ते में नूरपुर, फीना और रतनगढ़ कस्बों में लोगों ने इस शिवभक्त पर फूल बरसा कर स्वागत किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

पुलिस कर रही शिवभक्त तमन्ना की सुरक्षा

इस अनोखी यात्रा को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बिजनौर पुलिस ने तमन्ना मलिक को सुरक्षा घेरे में जिले की सीमा पार कराई। रास्ते में स्थानीय हिंदू संगठनों ने फूलों की वर्षा कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, वहीं कई महिलाओं उन्हें दस, बीस, पचास या सौ रुपये देकर सहयोग और हौसला बढ़ा रही हैं। कुछ हिंदू संगठन के सदस्य भी उनके साथ यात्रा में चल रहे हैं ताकि रास्ते में कोई दिक्कत न आए।

कौन है बुर्के वाली तमन्ना?

तमन्ना उत्तर प्रदेश के संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के बदनपुर बस्सी गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने कुछ साल पहले गाँव के ही रहने वाले अमन त्यागी से लव मैरिज की थी और अब वो गांव में ही अपने पति और ससुराल साथ रहती हैं। उन्होंने बताया कि इस कांवड़ यात्रा का फैसला उन्होंने अपने पति और ससुराल वालों की सहमति से लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके परिवार के कुछ सदस्य और सैकड़ों अन्य कांवड़िये भी उनके साथ यात्रा में हैं, और कुछ रिपोर्ट के अनुसार इनके दो बेटे भी हैं।

तमन्ना को कहां से मिली प्रेरणा, क्यों लिया कांवड़ यात्रा का संकल्प

तमन्ना मलिक ने बताया कि वह वर्षों से कांवड़ यात्रा करते श्रद्धालुओं को देखकर प्रेरित हुई थीं। यही वजह है कि इस बार उन्होंने खुद यह कठिन यात्रा करने का निर्णय लिया। हरिद्वार से संभल तक करीब 220 किलोमीटर पैदल चलकर वह झेमनाथ शिव मंदिर में गंगाजल अर्पित करेंगी।

सूर्या ने पाकिस्तान को ललकारा, अभिषेक शर्मा को लेकर बयान पर सलमान अली को करारा जवाब

(एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच T20 World Cup 2026 में होने वाले मुकाबले को लेकर दोनों टीमों के कमर कस ली है। रविवार को दोनों टीमों के बीच जोरदार टक्कर होने वाली है। सलमान अली आगा ने प्रेस वार्ता में टीम इंडिया को चुनौती देते हुए अभिषेक शर्मा को खिलाने की मांग की थी। इसका जवाब देने की बारी सूर्यकुमार यादव की थी। भारतीय कप्तान ने करारा जवाब दिया कि अभिषेक कल खेलेंगे।

भारत ने पाक के खिलाफ मैच को लेकर कहा कि हम हर मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस मुकाबले के लिए हमारी फ्लाइट्स पहले ही बुक हो चुकी थीं। हमारा पूरा ध्यान सिर्फ तैयारी पर था। हाँ, अगर सलमान (पाकिस्तानी कप्तान) चाहते हैं कि कल अभिषेक शर्मा खेलें, तो बिल्कुल, हम उन्हें कल जरूर खिलाएंगे।

टीम इंडिया की बैटिंग पर सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हमारी शुरुआत थोड़ी लड़खड़ाती रही, यह सच्चाई है और इससे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। इसके लिए कोई बहाना भी नहीं है। सभी खिलाड़ियों ने काफी क्रिकेट खेला है, इसलिए मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों के बीच स्पष्ट रणनीति होनी चाहिए। हमने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन बीच में थोड़ी रुकावट आई। हालांकि बाद में हमने संभलकर वापसी की। यही तो टी20 क्रिकेट की खासियत है-यहां मैच का रुख कभी भी बदल सकता है।

सूर्यकुमार यादव को टॉस के समय सलमान आगा से हाथ मिलाने का सवाल पूछा गया तो, उन्होंने कहा कि यह हम टॉस के समय देखेंगे। आप 24 घंटे का इंतजार करो। कुलदीप यादव को लेकर पूछे गए सवाल पर सूर्या ने कहा कि आप चाहते हैं कि उनको खिलाया जाए, तो ठीक है वह खेलेंगे।

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम का पूरा ध्यान अपने प्रदर्शन पर है, न कि सामने वाली टीम पर। उनका मानना है कि हाल के मैचों में जिस आत्मविश्वास और अंदाज में भारत ने खेल दिखाया है, उसी स्तर को आगे भी बनाए रखना लक्ष्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम अपनी मजबूतियों के अनुसार रणनीति बना रही है और उसी पर अमल करना चाहती है। विरोधी टीम क्या कर रही है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। आखिरकार जीत उसी की होगी जो मैदान पर बेहतर खेल पेश करेगा, और यही सबसे अहम बात है।

टीम इंडिया में बदलाव

गौरतलब है कि संजू सैमसन को अभिषेक शर्मा की जगह पिछले मैच में खेलने का मौका मिला था लेकिन इस बार अभिषेक शर्मा के आने से सैमसन को बाहर किया जाएगा। टीम इंडिया में बदलाव बिलकुल तय दिख रहा है।

क्या है उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन का पूरा सच? दो कोहनी या चकिंग छिपाने का नया पैंतरा

(एजेंसी)।

उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन को लेकर जारी विवाद अब एक दिलचस्प मोड़ पर आ गया है। भारत के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से ठीक पहले तारिक का यह दावा कि उनके हाथ की बनावट सामान्य इंसानों से अलग है और उनके हाथ में दो कोहनियां (एल्बो) हैं, खेल जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, यह बयान जितना अनोखा है, उतना ही संदेह के घेरे में भी है।

फुल स्लीव शर्ट का रहस्य

तारिक की गेंदबाजी से जुड़ा एक बड़ा संदेह उनकी ड्रेसिंग को लेकर भी है। वह हमेशा फुल स्लीव यानी पूरी बाजू की शर्ट पहनकर गेंदबाजी करते हैं। क्रिकेट के इतिहास में हमने देखा है कि जिन गेंदबाजों के एक्शन पर संदेह होता है, वे अक्सर अपनी कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए फुल स्लीव का सहारा लेते हैं। अगर तारिक का दावा सही है कि उनके हाथ में दो कोहनियां हैं, तो कायदे से उन्हें हाफ बाजू की शर्ट पहनकर इसे साबित करना चाहिए। पूरी बाजू की शर्ट पहनना इस बात की ओर इशारा करता है कि शायद वह अपनी कोहनी के अवैध झटके या थ्रो को दुनिया की नजरों से ओझल रखना चाहते हैं।

उस्मान तारिक का यह कहना कि उनकी शारीरिक बनावट कुदरती तौर पर अलग है, पहली नजर में एक रक्षात्मक बयान लगता है। आमतौर पर जब किसी गेंदबाज के एक्शन पर चकिंग का आरोप लगता है, तो वह इसे अपनी हाइपर-एक्सटेंशन या कुदरती बनावट का नाम देकर बचाने की कोशिश करता है। दो कोहनियां होने की बात वैज्ञानिक और तार्किक रूप से गले नहीं उतरती। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दौरान भी जब उन पर सवाल उठे थे, तब भी उनके एक्शन में स्पष्ट रूप से थ्रो की झलक देखी गई थी।

भारत के खिलाफ मैच और अंपायरों पर दबाव

भारत के साथ होने वाले हाई-वोल्टेज मैच से ठीक पहले इस तरह का बयान देना एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। यह मुमकिन है कि तारिक और पाकिस्तानी खेमा यह जानता हो कि इस मैच में अंपायरों की पैनी नजर उनके एक्शन पर होगी। ऐसे में दो कोहनियों वाला बयान देकर उन्होंने पहले ही एक माहौल बनाने की कोशिश की है ताकि अगर अंपायर उन पर कोई कार्रवाई करें, तो वह इसे अपनी शारीरिक मजबूरी या कुदरती बनावट बताकर सहानुभूति हासिल कर सकें।

चौसरा में नाला निर्माण पर घमासान: घटिया सामग्री के आरोप, जांच की मांग तेज

ग्रामीणों का प्रदर्शन, जेई बोले- 'सोमवार को होगी जांच'

(एजेंसी)।

पीलीभीत/बीसलपुर। विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता को लेकर सरकार भले ही ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की बात करती हो, लेकिन बीसलपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत चौसरा में नाला निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा की निधि से बन रहे इस नाले में पीली ईंट, देशी रेत और बिना सरिया के निर्माण किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो नाला पहली ही बारिश में बह सकता है। ग्रामीणों ने ठेकेदार यशपाल पर सरकारी धन के दुरुपयोग और निर्माण मानकों से समझौता करने का आरोप लगाया है।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन कार्य जारी रहा। इससे लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जेई का पक्ष

निर्माण कार्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच संबंधित जूनियर इंजीनियर सचिन कुमार का बयान भी सामने आया है। उन्होंने बताया कि वह अवकाश पर थे, लेकिन मामले की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि सोमवार को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की जांच की जाएगी। यदि कहीं भी मानकों के विपरीत कार्य पाया गया तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विकास या भ्रष्टाचार?

चौसरा में चल रहा यह निर्माण कार्य अब चर्चा का विषय बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी धन से हो रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, अधिकारियों की प्रस्तावित जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फिलहाल गांव में नाला निर्माण को लेकर घमासान जारी है और सभी की निगाहें आगामी जांच पर टिकी हैं।

अंत्येष्टि स्थल में अव्यवस्थाओं की भरमार, शौचालय और स्नानागार बने मजाक

(एजेंसी)।

पीलीभीत जिले के विकासखंड बीसलपुर के ग्राम पंचायत चौसरा स्थित अंत्येष्टि स्थल पर अव्यवस्था चरम पर है। सूत्रों के अनुसार, जनता के टैक्स के पैसे से बनी सुविधाएं जर्जर हो चुकी हैं और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से ग्रामीण अंतिम संस्कार के दौरान परेशान हो रहे हैं।अंत्येष्टि स्थल पर पानी की मूलभूत व्यवस्था न होने से शवदाह के समय भारी कठिनाई हो रही है। दाह-स्थल के ऊपर लगे छत

की टीन जर्जर हो चुके हैं, जो बरसात में जगह-जगह से पानी टपकाते हैं। हाल ही में बने होने के बावजूद ये सुविधाएं बेकार पड़ी हैं।महिलाओं के लिए बनाए गए स्नानागार और शौचालय भी पानी की कमी से उपयोग के लायक नहीं बचे। पानी का कोई टैंक न होने से ये नल 'हाथी के सफेद दांत' मात्र बनकर रह गए हैं। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।स्थानीय निवासी ने बताया, "अंतिम संस्कार के दौरान पानी न मिलने से परिवार वाले परेशान होते हैं। पंचायत का पैसा कहां खर्च हो रहा है?"

प्रयागराज में स्काउट एवं गाइड का प्रशिक्षण एवं जांच शिविर संपन्न हुआ

(एजेंसी)। प्रयागराज

इलाहाबाद इंटर कॉलेज प्रयागराज में स्काउट एवं गाइड का प्रशिक्षण एवं जांच शिविर संपन्न हुआ

जिसमें प्रथम सोपान तथा द्वितीय सोपान में स्काउट गाइड ने प्रशिक्षण प्राप्त कर जांच शिविर में रहे ' सभी स्काउट एवं गाइड को समापन समारोह में प्रमाण पत्र प्रथम / द्वितीय सोपान का प्रदान किया गया '

कार्यक्रम में सह जिला विद्यालय निरीक्षक श्री अजय गिरी एवं सह जिला विद्यालय निरीक्षक राष्ट्रपति पदक से सम्मानित श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा शिक्षा के साथ स्काउट एवं गाइड अनुशासित शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया ,स्काउट एवं गाइड द्वारा बनाए गए कैंप का अवलोकन किया, स्काउट एवं गाइड के से उनके द्वारा लिए गए प्रशिक्षण के बारे में पूछा तथा संतुष्ट हुए'

अग्रवाल जातीय शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं स्काउट में राष्ट्रपति पदक तथा रोवर में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित प्रोफेसर पियूष रंजन अग्रवाल जी ने स्काउट एवं गाइड को मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद दिया तथा अपने जीवन के अनुभव को शेयर किया , आपने स्काउट एवं रोवर के क्षेत्र में विश्व के अनेक देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया ' कार्यक्रम में जिला सचिव डॉ पी पी सिंह एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष स्काउट श्री नवरात्र कत्याल तथा सहायक सचिव आप सभी ने स्काउट एवं गाइड की अनिवार्यता पर प्रकाश डालें ' अतिथियों का स्वागत डॉ अनन्त कुमार गुप्ता ,प्रधानाचार्य इलाहाबाद इंटर कॉलेज ने किया ' श्री सुनील अग्रवाल वरिष्ठ पदाधिकारी अग्रवाल जातीय शिक्षा परिषद ने भी स्काउट एवं गाइड को आशीर्वाद दिया ,स्काउट एवं गाइड को विशेष प्रशिक्षण ट्रेनर गाइड सुश्री उषा कुशवाहा ने दिया , डॉ मुकेश त्रिपाठी एवं डॉ देवीशरण एवं सभी विद्यालय के शिक्षकों ने स्काउट को प्रशिक्षण दिया तथा डॉ कौशिकी अग्रहरि एवं श्रीमती शालिनी कनौजिया तथा सभी शिक्षिकाओं ने गाइड को प्रशिक्षण दिया ' अतिथियों के प्रति धन्यवाद श्री बलराम प्रवक्ता भौतिक विज्ञान तथा आभार ज्ञापन श्री राजेंद्र प्रताप सिंह प्रवक्ता वाणिज्य ने किया ' कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रूबी अग्रवाल एवंश्रीमती वत्सला जायसवाल ने किया '

जनपद सुल्तानपुर में आयोजित मंडलीय स्तर बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

(एजेंसी)।

मसौली बाराबंकी। परिषदीय विद्यालयों की जनपद सुल्तानपुर में आयोजित मंडलीय स्तर बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मे कंपोजिट विद्यालय चिलौकी के छात्र छात्राओं के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शनिवार को ग्राम प्रधान सोमनाथ राजपूत ने छात्र छात्राओं को सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्लाक एव जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे बेहतर प्रदर्शन करने के बाद जनपद सुल्तानपुर मे आयोजित मंडल स्तर की प्रतियोगिता में अमेठी, अंबेडकर नगर, अयोध्या, सुल्तानपुर और बाराबंकी छात्र छात्राओं की टीमों ने प्रतिभाग किया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कंपोजिट विद्यालय चिलौकी की टीम ने शानदार प्रस्तुति देकर मंडल में पहला स्थान प्राप्त किया।

मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विजेता टीम का स्वागत

एवं सम्मान सोमनाथ राजपूत, अध्यक्ष प्रधान संघ विकासखंड मसौली तथा सुरेश चंद्र, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ मसौली द्वारा किया गया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करने वाली छात्रा समरीन, फरहीन, अंशिका, अन्नपूर्णा, अन्नया यादव, मुकेश, राम मोहन और कपिल को माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता मे शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राए अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेंगे।

इस अवसर पर विश्वनाथ वर्मा, नरेंद्र कुमार, शालिनी अवस्थी, संगीता वर्मा, सुमन वर्मा, प्रतिमा गुप्ता, निहारिका सिंह, ममता द्विवेदी, दीक्षा श्रीवास्तव, गरिमा, नीलम, पार्वती, सुनीता, प्रीति, मालती, लखदेई राम, हेतु वर्मा और राहुल कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी : अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ढाई गुना से ऊपर पहुंची

9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में महिला श्रम भागीदारी 13% से बढ़कर 36% पहुंची

जीएसडीपी 13 लाख करोड़ से बढ़कर 2026-27 में 36 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की ओर अग्रसर

(एजेंसी)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की तेज रफ्तार अर्थव्यवस्था के पीछे महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में राज्य में महिला श्रम बल भागीदारी दर 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जिससे उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। इसी अवधि में प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद

(जीएसडीपी) में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2017 में करीब 13 लाख करोड़ रुपये तक सीमित रही जीएसडीपी 2026-27 में बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये की ओर अग्रसर है। महिला श्रम बल भागीदारी दर में हर 1 प्रतिशत की वृद्धि से सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 0.5 से 1 प्रतिशत तक अतिरिक्त उछाल आता है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अर्थशास्त्र का यह सिद्धांत व्यवहार में साबित होता दिख रहा है। यही नहीं महिला कार्यबल बढ़ने से उत्पादन क्षमता श्रम उत्पादकता और राज्य के टैक्स बेस तीनों में समानांतर विस्तार हुआ है। महिलाओं की आय बढ़ने से घरेलू उपभोग में वृद्धि हुई है जिससे एमएसएमई गतिविधियों और सेवा क्षेत्र को लगातार गति मिल रही है। ग्रामीण स्वयं सहायता समूह, डेयरी और कृषि आधारित उद्योगों से लेकर शहरी सेवा क्षेत्र तक महिलाएं अब ह्यग्रोथ मल्टीप्लायरह्न की भूमिका निभा रही हैं। नीतिगत स्तर पर महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार से जुड़े कार्यक्रमों के जरिए उत्तर प्रदेश में आर्थिक भागीदारी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। यदि यही रफ्तार बनी रही तो उत्तर प्रदेश की ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की राह में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रहेगी।

पीलीभीत के बीसलपुर तहसील के ग्राम बिहारीपुर में फर्जी भुगतान का मामला उजागर, सचिव मुकेश राणा पर 3500 रुपये के भुगतान का आरोप

(एजेंसी)।

पीलीभीत। जिले के तहसील बीसलपुर अंतर्गत ग्राम बिहारीपुर में फर्जी पेमेंट का गंभीर मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, ग्राम पंचायत सचिव मुकेश राणा ने ग्राम बिहारीपुर के नाम से मिस्त्री अमरनाथ के नाम पर मात्र 3500 रुपये का भुगतान कथित तौर पर फर्जी तरीके से दर्ज कर लिया।यह मामला ग्राम पंचायत के खातों में हेराफेरी का

संकेत दे रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि संबंधित दस्तावेजों की जांच से फजीर्वाड़ा स्पष्ट हो गया है।प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि इस घटना से ग्राम पंचायत के वित्तीय प्रबंधन पर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से मामले की गहन जांच के संकेत मिले हैं।

हजरतगंज पुलिस की तत्परता से 6 घंटे में मिला लापता युवक

(एजेंसी)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक के लापता होने से हड़कंप मच गया। लेकिन हजरतगंज पुलिस की सक्रियता और मुस्तैदी से करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया जानकारी के अनुसार सुभाष नगर तेलीबाग निवासी शिवकुमार मिश्रा अपने 37 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार मिश्रा को इलाज के लिए सुबह करीब 10:30 बजे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल हॉस्पिटल लेकर आए थे। इलाज के दौरान उनका पुत्र जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है और स्पष्ट रूप से बोल

नहीं पाता अचानक अस्पताल परिसर से लापता हो गया काफी खोजबीन के बाद परेशान पिता चौकी पार्क रोड पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के नेतृत्व में चौकी प्रभारी मनोज कुमार मिश्रा व टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की पुलिस ने अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, साथ ही आईटीएमएस और सेफ सिटी कैमरों की मदद से युवक की लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया। करीब 6 घंटे की लगातार मेहनत और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से आखिरकार पुलिस ने युवक को ढूंढ निकाला युवक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने हजरतगंज पुलिस की तत्परता और संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए कोतवाली हजरतगंज पुलिस टीम का आभार जताया राजधानी में एक बार फिर पुलिस की सक्रियता ने बड़ा हादसा टाल दिया।

पीलीभीत: जिलाधिकारी व एसपी ने थाना सुनगढ़ी पर थाना समाधान दिवस में सुनी जन शिकायतें, त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश

(एजेंसी)।

पीलीभीत, जनपद के जिलाधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री सुकीर्ति माधव ने आज थाना सुनगढ़ी पर आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान जनता की विभिन्न समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना। लोगों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों और प्रार्थना पत्रों की बारीकी से समीक्षा करने के बाद दोनों अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारियों व कर्मचारियों को इनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।विशेष रूप से राजस्व संबंधी विवादों पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम गठित करने का आदेश दिया, ताकि विवादित स्थलों पर जाकर निष्पक्ष और न्यायपूर्ण जांच हो सके। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से लंबित विवादों का समाधान तेजी से हो सकेगा। समाधान दिवस में दर्जनों ग्रामीणों ने भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े और अन्य स्थानीय मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसे अधिकारियों ने गंभीरता से लिया।यह आयोजन जिला प्रशासन की जनोन्मुखी छवि को मजबूत करता है, जहां आमजन सीधे उच्च अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचा सकता है। आने वाले दिनों में ऐसे और समाधान दिवसों से प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ेगी।

एसडीओ शिवेंद्र कुमार के आदेशानुसार सक्सेस स्टोरी डिविजन ट्रांसफॉर्मर डीटी,क्वांटिंग होने के साथ बकाया वसूली

(एजेंसी)।

जैदपुर बाराबंकी,

आने वाली गर्मी में विद्युत सप्लाई में समस्या न हो इसलिए लगातार विभागीय लोग तार केबिल बाक्स बदलते नजर आ रहे हैं, वहीं एसडीओ शिवेंद्र कुमार के आदेशानुसार सक्सेस स्टोरी डिविजन ट्रांसफॉर्मर डीटी,क्वांटिंग होने के साथ बकाया वसूली का काम भी चर्म सीमा पर किया जा रहा है, जबकि जेई मिर्जा परवेज हुसैन, हसीब खान टीजी,के साथ फुरकान, राम सुशील सहित गठित टीम घर घर जाकर बकाया वसूली व चेकिंग भी करते हुये देखें

गये, जेई मिर्जा परवेज हुसैन ने बताया कि ये सभी कार्य लोगों की सुविधा के लिये हो रहे हैं, और विधुत चोरी पर भी पूरी तरह लगाम भी लगाने का प्रयास हो रहा है, हर ट्रांसफॉर्मर पर मीटर लग रहे हैं, जिससे लोड का पता तुरन्त लग जायेगा,

आजाद समाज पार्टी (काशीराम) का बढ़ता जन धार कई कार्यकर्ता को दिलाई सदस्यता

(एजेंसी)।

मसौली बाराबंकी। जैदपुर विधानसभा के ग्राम पंचायत बांसा के अंबेडकर मैदान में आजाद समाज पार्टी काशीराम के युवा जिला अध्यक्ष मोहम्मद शमीम मलिक के तत्वाधान में सदस्यता अभियान को लेकर एक बैठक आयोजित की गई बैठक में आए हुए मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला प्रभारी शैलेन्द्र वर्मा मंडल मुख्य प्रभारी मानस राय मंडल प्रभारी हरिनंदन सिंह (भाईचारा) मंडल संयोजक वसी हैदर सहित कई पदाधिकारी के बीच बैठक में उपस्थित जनों द्वारा संबोधित विचार व शोषित वंचित बहुजनों के साथ हो रहे उत्पीड़न पर खुलकर विरोध किया

साथ ही 15 मार्च को नगीना सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी (काशीराम)चंद्रशेखर आजाद के समर्थन में पहुंचने की अपील की और 2027 के विधानसभा चुनाव में OBC ST को एकजुट होकर पार्टी के हाथ को मजबूत करने का कार्य करेंगे और साथ ही सदस्यता अभियान को आगे बढ़ते हुए विधानसभा जैतपुर युवा अध्यक्ष सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे